औरंगजेब (Aurangzab) (1658 ई.–1707 ई.)

☞ **जन्म (Birth)**– **1618** ई. उज्जैन (दोहद)

☞ **मृत्यु (Death)**– **1707** अहमदनगर

रंजीत यादव सर

☞ माता (**Mother**)- मुमताज महल

☞ पिता (**Father**)- शाहजहां

☞ पत्नी (**Wife**)- दिलरास बानों बेगम (राबिया बीबी)

- **पुत्र (Son)**- मुअज्जम, मुहम्मद आजम, मुहम्मद कामबख्श,शहजादा अकबर
- **पुत्री (Daughter)**- मेहरूनिस्सा
- **भाई (Brothers)**- दाराशिकोह, शाहसुजा, मुरादबख्श,

☞ **अन्य नाम (Other name)**- आलमगीर

☞ **उपाधि (Title)**- जिंदापीर

☞ **राज्याभिषेक (Coronation)**- दो बार

KD LIVE

रंजीत यादव सर

☞ सेनापति (Commander) – शाइस्ता खां, जय सिंह

☞ उत्तराधिकारी (Successor)– बहादुरशाह प्रथम (मुअज्जम)

☞ आध्यत्मिक गुरू (Spirtual master)– मियां मासूम

☞ मकबरा (Tomb)– औरंगाबाद

☞ **विद्रोह (Revolt)-** सिंख विद्रोह, राजपुत विद्रोह, सतनामी विद्रोह, बुंदेला विद्रोह, जाट विद्रोह, मराठा विद्रोह

☞ **स्थापत्य- (Architecture)-** बीबी का मकबरा (औरंगाबाद), मोती मस्जिद (लाल किला), बादशाही मस्जिद (लाहौर),

उत्तराधिकार का युद्ध- War of Succession.

1. बहादुरगढ़ का युद्ध (फरवरी 1658) - शाहशूजा और जय सिंह, विजयी - जय सिंह

2. धरमत का युद्ध (अप्रैल 1658) - जसवंत सिंह और औरंगजेब, विजयी - औरंगजेब

3. सामूगढ़ का युद्ध (जुन 1658) -दराशिकोह और औरंगजेब, विजयी- औरंगजेब

4. देवराई का युद्ध (युद्ध 1659) - दाराशिकोह और औरगजेब, विजयी –औरंगजेब।

KD LIVE

रंजीत यादव सर

प्रतिबंध- (Ban)

- ☞ संगीत पर ☞ नाचगाने पर
- ☞ नौराज त्यौहार बंद
- ☞ सिक्को पर कलमा खुदवाना बंद
- ☞ झरोखा दर्शन प्रतिबंन्ध
- ☞ तुलादान प्रतिबंन्ध
- ☞ सोने-चाँदी की वस्तुओं पर प्रतिबंन्ध

रंजीत यादव सर

नोट- औरंगजेब ने शिवाजी को पहाड़ी चूहा कहा।

- शासन का आधार- कुरान (शरियत)

-**1679** ई में जजिया कर को पुनः लगाया।

–तीर्थ यात्रा कर लेना शुरू कर दिया।

-मुस्लिम व्यापारी से चुगी लेना बन्द कर दिया, जबकि हिन्दू चुंगी देते थे।

-औरगंजेब हिन्दुस्तान को दार-उल-हर्ब (काफिरों का देश) की जगह दार-उल-इस्लाम(इस्लामिक देश) बनाना चाहता था?

-अंग्रेजो से जजिया कर वसूला

- औरगंजेब एक अच्छा वीणा वादक था।

☞ **साहित्य(Literature)**- आलमगीरनामा (लेखक- मोहम्मद काजिम शिराजी, हातिम खां

- मासिर-ए-आलमगीरी (लेखक- शाकी मुंस्तद खां)
- मुत्तखब-उल-लुबाब (लेखक- खकी खां)
- फुतुहात-ए-आलमगीरी (लेखक -ईश्वरदास नागर)

☞ **मनसबदारी प्रणाली में परिवर्तन**

☞ मशरूत प्रणाली

☞ हिन्दू मनसबदार सबसे ज्यादा (33%)

☞ **सैन्य अभियान**– जब यह गद्दी पर आया सभी स्थानों पर विद्रोह शुरू हो गया, जिसको दबाने के लिए सैन्य अभियान किया गया। जैसे–

- **असम (1661) -** यहाँ के शासक चक्रध्वज पराजित हुआ
- **मराठा (1665) - 1665** में जयसिंह और शिवाजी के बीच पुरंदर की संधि हुआ और कुछ समय के लिए मराठा मुगल संघर्ष समाप्त हो गया।
- **सिक्ख (1665) -** औरंगजेब ने समय सिक्खों के साथ संघर्ष पहले से चला आ रहा था, जो इनके समय में और तेज हो गया।

- औरंगजेब ने सिक्खों के नौवे गुरू गुरू तेगबहादुर की हत्या करा दिया।
- सतनामी विद्रोह (1667-1669) इसके समय में बुंदेल नेता छत्रसाल और चम्पतराय ने स्वतंत्र बुदेलखंड राज्य की स्थापना कर दिया।
- जाट विद्रोह (1669) - जाट नेता गोकला ने सर्वप्रथम विद्रोह किया जिसकी हत्या कर दिया गया, तब राजा राम ने अकबर के मकबरे से उसके बचे हुए अवशेष को निकालकर अग्नि के हवाले कर दिया।

- इस अभियान में सबसे अधिक जन और धन की क्षति उठाना पड़ा इस क्षेत्र मे अकमल खाँ और भानु खाँ ने विद्रोह किया था, जिसे कुछ समय के लिए ही दबाया जा सका।
- अकबर का विद्रोह **(1681)** – औरंगजेब के पुत्र अकबर ने दुर्गा सिंह राठौर के बहकावे में आकर अपने पिता के खिलाफ विद्रोह करते हुए स्वयं को मुगल बादशाह घोषित कर दिया। जब अभियान हुआ तब यह भागकर शम्भाजी के पास चला गया। परिणामस्वरूप औरंगजेब ने शम्भाजी की हत्या करा दिया।

KD LIVE

रंजीत यादव सर

- मेवाड़ (1681) औरंगजेब ने मेवाड़ के शासक राणा उदय सिंह को 5000 का मनसब देकर संधि कर लिया।
- बीजापुर (1686) - औरंगजेब ने बीजापुर को जीतकर मुगल साम्राज्य का 19 वाँ प्रांत बना दियां
- गोलकुण्डा (1687) - इसको विजित करके मुगल साम्राज्य का 20 वाँ प्रांत बनाया गया।

- ☞ मारवाड़ (1707) - मारवाड़ की समस्या को औरंगजेब नहीं सुलझा सके, क्योंकि इनकी मृत्यु हो गई तब इनके पुत्र बहादुशाह–I ने संधि करके समस्या को सुलझा लिया।
- ☞ इसने सोमनाथ के मंदिर, काशी के विश्वनाथ मंदिर और मथुरा के केशवराय मंदिर की तोड़ दिया।
- ☞ इसने साबरमती के तट पर दाह संस्कार को भी प्रतिबंधित कर दिया।

☞ औरंगजेब ने उपर्युक्त सभी पर निगरानी रखने के लिए मुहतसिब नामक अधिकारी की नियुक्ति किया अर्थात् मुहतसिब सार्वजनिक आचार–विचार का अधिकारी था।

☞ इसने अपनी धार्मिक नीति को लागू करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया जिसको जबावित कहा गया।

नोट- औरंगजेब ने अपनी बहन जहाँआरा को ‘साहिबात-उज-जमानी की उपाधि दी।

- औरंगजेब ने जहाँआरा को सम्राज्य की प्रथम महिला का दर्जा दिया।